Article Date	Headline / Summary	Publication
15 Dec 2024	ऐन मौके पर कैंसिल हो गई शादी तो क्या कीजिएगा? सेफ्टी के लिए करवा लीजिए ये वाला बीमा	News18

ऐन मौके पर कैंसिल हो गई शादी तो क्या कीजिएगा? सेफ्टी के लिए करवा लीजिए ये वाला बीमा

Wedding Insurance : शादी हमारे जीवन का खास पल होता है. इस खास पल के लिए लोग दिल खोलकर खर्च करते हैं और हर चीज की बारीकी से प्लानिंग करते हैं. परंतु इसी प्लानिंग का सबसे अहम हिस्से को भुला दिया जाता है और वह है वेडिंग इंश्योरेंस (Wedding Insurance). यह बात भी सही है कि बहुत-से लोग तो वेडिंग इंश्योरेंस के बारे में जानते तक नहीं. यदि आप नहीं जानते हैं तो अब से आप जान जाएंगे, और यदि पहले से जानते हैं तो इसका महत्व समझ जाएंगे.

भारत में इस कैलेंडर वर्ष के अंत तक 48 लाख से अधिक शादियां होने का अनुमान है. इन शादियों के लिए समारोह भी होंगे ही. कहा जा रहा है कि इन सभी शादियों पर करीब 6 लाख करोड़ रुपये का खर्च होने वाला है. यह आंकड़ा कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) द्वारा शेयर किया गया है.

कम जागरूकता है बड़ी बाधा

शादियों के लिए बजट लगातार बढ़ रहा है, और अधिक से अधिक भारतीय अपने इस बड़े दिन पर खुलकर खर्च करने को तैयार हैं. लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि किसी कारणवश शादी के रद्द होने पर होने वाले नुकसान की भरपाई कैसे होगी. तो बता दें कि इसके लिए बीमा एकमात्र विकल्प है. पब्लिक सेक्टर की बीमा कंपनियां जैसे कि आईसीआईसीआई लोम्बार्ड (ICICI Lombard), बजाज आलियांज, और फ्यूचर जेनेरली शादी के कैंसिल होने के जुड़े नुकसान को कवर करने वाले बीमा बेचती हैं.

लोगों को दिखता है सबकुछ अच्छा-अच्छा

ICICI Lombard General Insurance के चीफ अंडरराइटिंग अधिकारी गौरव अरोड़ा बताते हैं कि जागरूकता की कमी की एक बड़ी वजह यह है कि परिवार और जोड़े शादी रद्द होने की संभावना पर विचार ही नहीं करते और न ही करना चाहते. उन्हें सबकुछ अच्छा-अच्छा ही नजर आ रहा होता है. उन्होंने कहा, “शादियों पर भारी खर्च होने के बावजूद, जागरूकता का लेवल अभी भी कम है. इसके अलावा, परिवार शादी के कैंसल होने जैसी स्थितियों की संभावना पर विश्वास नहीं करना चाहते.”

बड़े खर्च के साथ होने वाली शादियां इन दिनों वेडिंग प्लानर्स के हवाले होती हैं. ऐसे में वेडिंग प्लानर परिवारों को बीमा कराने के बारे में जरूर बताते हैं. आमतौर पर 50 लाख रुपये से अधिक के बजट वाली शादियों में ही बीमा कवर पर विचार किया जाता है.

क्या शामिल है बीमा में?

शादी का इंश्योरेंस मूल रूप से इवेंट का बीमा होता है. ये पॉलिसियां आम तौर पर बाजार में आसानी से उपलब्ध नहीं हैं. बीमा कराने के लिए आपको अपने वेडिंग प्लानर या बीमा विक्रेता कंपनी से संपर्क करना होगा.

बीमा प्रीमियम इस बात पर निर्भर करता है कि आप किन नुकसानों को कवर करना चाहते हैं. बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के चीफ टेक्निकल ऑफिसर टीए रामालिंगम बताते हैं, "प्रीमियम बीमा कवरेज पर आधारित होता है– यह शादी कैंसल होने, संपत्ति को नुकसान, चोरी और पब्लिक लायबिलिटीज़ जैसे नुकसानों पर निर्भर करता है."

इसके अलावा प्रीमियम स्थान और आयोजन स्थल के आधार पर भी तय होता है. उदाहरण के लिए, 20 लाख रुपये के कवर के लिए न्यूनतम प्रीमियम 2,500 रुपये (जीएसटी अतिरिक्त) हो सकता है.

डेस्टिनेशन और इंटरनेशनल वेडिंग

डेस्टिनेशन वेडिंग भी इस इंश्योरेंस में कवर हो सकती है, फिर चाहे वह भारत में हों या विदेश में. इनमें यात्रा खर्च, होटल में ठहरना, आभूषण और अतिथि जिम्मेदारी शामिल होती है. अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करके, आप आतंकवाद, कलाकारों की अनुपस्थिति, या उपकरणों और स्थल को हुए नुकसान जैसे पहलुओं को भी कवर करवा सकते हैं. इसके अलावा, दूल्हा-दुल्हन को दुर्घटनाओं के कारण हुए कैंसिलेशन से जुड़े खर्च को भी कवर किया जा सकता है.

ICICI Lombard के गौरव अरोड़ा कहते हैं, "5 लाख रुपये के कवर का प्रीमियम 1,500 रुपये से शुरू हो सकता है. लेकिन, अगर आप बड़ा कवर चाहते हैं, तो 50 लाख रुपये के कवर का प्रीमियम 25,000 से 30,000 रुपये तक हो सकता है."

किन स्थितियों में मिल सकता है कवर

प्राकृतिक आपदाएं : भूकंप, बाढ़, चक्रवात या तूफान जैसी आपदाओं के कारण शादी रद्द होने पर.

दुर्घटना या गंभीर बीमारी : दूल्हा, दुल्हन या करीबी परिवार के सदस्य के बीमार या घायल होने पर.

शादीस्थल न मिलने पर : बुक किए गए वेन्यू का अचानक क्षतिग्रस्त हो जाने पर या बंद हो जाने पर.

दंगे या हड़ताल : दंगे, कर्फ्यू, राजनीतिक अशांति या हड़ताल की स्थिति में.

मौत की दुर्भाग्यपूर्ण घटना : दूल्हा, दुल्हन या किसी करीबी सदस्य की मृत्यु होने पर.

विक्रेता से संबंधित समस्या: कैटरर, डेकोरेटर या अन्य विक्रेताओं की सेवाएं न मिलने पर.

क्या कवर नहीं किया जाता?

दूल्हा या दुल्हन का मन बदलने और शादी से पीछे हटने पर कवर नहीं मिलता.

पहले से ज्ञात बीमारी की वजह से जुड़ी दुर्घटना होने पर.

अवैध या गैर-कानूनी गतिविधियों के कारण शादी के कैंसिल होने पर.

वित्तीय समस्याओं के कारण शादी रद्द हो जाने पर.

नोट – बीमा पॉलिसी के नियमों को ध्यान से पढ़ें, क्योंकि कवर और अपवाद अलग-अलग हो सकते हैं.